[श्रीमती कमला सिन्हा]

यह काम होना चाहिए । बाल गंगाधर तिलक हमारे देश के एक महान नेता थे ।

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : महोदया, मैं भी अपने आपको इससे पूरी तरह से सम्बद्ध करता हूं ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, इसको ले करके रहेंगे, इसके प्रवर्तक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक थे और बहुत ही सामयिक श्री प्रमोद महाजन का यह प्रस्ताव है । सारा सदन इससे संबद्ध करता और मैं भी उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं ।

Massacre or B.S.F. and police officers by the N.S.C.N. in Assam

SHRI G. G. SWELL (Meghalaya): Madam Vice-Chairman, you yourself have read in this morning's papers that at a place called Mahor in North Kachhar hills in Assam, there was an engagement between the militant activists of the National Socialist Council of Nagaland and our security forces in which fifteen of our BSF jawans were killed, one police officer of the Assam Government was killed, many others were injured and it is said that a number of our BSF personnel were taken captives. Now, there is some discrepancy. Doordarshan this morning said that seven BSF personnel were killed but in all the papers, the number of BSF personnel killed has been shown as fifteen. We would like to know what is the actual position No. 2 . I would like to say that this is the third serious engagement within the last two months and more. Just in June, ten of our Gorakha servicemen were killed, three officers were killed by the NSCN. After that, there was another engagement between the NSCN and our security forces. And this is the third engagement within a period of last two months and a half. This is the first time... (*Interruptions*). ..I think, hon. Minister of State for Home Affairs, it is for you if you could kindly listen to me. It is for you only. The subject relates to your Department. This is the first time... (*Interruptions*)...

SHRIMATI KAMLA SINHA (Bihar): There is no Minister.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): There are two Ministers of State.

AN HON. MEMBER: Where are they sitting?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): They are just listening.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): They are not visible because they are not in their seats.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Please go ahead, Mr. Swell. Please go ahead.

SHRI G. G. SWELL: I am going ahead if I am allowed to go ahead.

I was posing a question. Your Doordarshan said, "Seven BSF persons were killed." The newspapers say, "fifteen BSF personnel were killed." The police officers of the Assam Government where killed. Many police personnel were taken captive. What are you goinp to say about it?

No 2. This is for the first time that this sort of engagement has taken place within Assam, not in Nagaland or in Manipur. And in Assam... (*Interruptions*)... Madam, I was disturbed. I could not even put my points.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): You have to be very brief.

SHRI G. C. SWELL: In Assam even the ULFA leaders have come back to Assam or are tryng to re-group the third thing I would like to say is there is a marked difference, a qualitative difference. In all the terrorist activities in Kashmir or in Punjab or in Pilibhit the civilians were at the receiving and, but in all these engagements in the

North-East the civilians have not been touched it is always the security forces against the terrorists or the militants. Now I would like to know in the face of this whether the security situation in the North-East has deteriorated; why it has deteriorated; whether the feeling of alienation of the people still persists; what the Government Policy is and what it is going to do to meet this situation.

Recent speech of Pakistan Prime Minister about Liberation of Kashmir from India

श्री शांति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : मैडम, मेरा स्पेशल मेंशन कन्ट्रोवर्सियल नहीं है, जैसी आज बहुत गर्मागर्मी हुई है। इसमें तो बहुत शांत रहने की आवश्यकता है। ... **(व्यवधान)**

महोदया, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री ने कल एक बड़ी भारी धमकी भारत को दी है। आज हमारे विदेश राज्यमंत्री ने क्वैश्चन-आवर में यह स्वीकार किया कि पाकिस्तान के प्रधान मंत्री श्री नवाज शरीफ ने एक पाक अधिकृत कश्मीर के कस्बे में एक बड़ी रैली की। उसमें यह घोषणा की कि पाकिस्तान के सामने एक बड़ा मकसद है, एक उद्देश्य है कि वह कश्मीर को भारतीय शासन से मुक्त कराकर रहेगा और यह भी डींग मारी कि हम कश्मीर को लेकर रहेंगे। जो वहां पर आदमियों की भीड़ जमा थी, उससे यह नारा लगवायी कि कश्मीर हमारा है और कश्मीर पाकिस्तान बनेगा। इसके बाद मीटिंग समाप्त हुई और पाकिस्तान रेडियो ने भी इस मीटिंग के समाचार को ब्रोडकास्ट किया।

मैडम, एक तरफ तो अभी दो-तीन हफ्ते के बाद दिल्ली में भारत और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन होने वाला है, बैठक होने वाली है, वार्ता होने वाली है आपसी सहयोग के लिए, शांति के लिए और आपसी विवाद जहां तक भी निबटें, निबटाने के लिए और ऐसे वक्त में पाकिस्तान के प्रधान मंत्री का यह बयान या घोषणा कि हम पाकिस्तान के लिए कश्मीर को जीतकर रहेंगे और भारत से उसको मुक्ति दिलायेंगे, यह बहुत ही प्रोवोकेटिव है, बड़ा भड़काऊ है और आने वाली शांति वार्ता के ऊपर बहुत बुरा असर डालता है।

इसीलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह है कि आप मेहरबानी करके, इस पक्ष के लोग भी और उस पक्ष के लोग भी, यह सहमति जतायें कि भारत को पाकिस्तान के रवैये से, मंसूबों से और जो उसके दिल में खराबी है, जहर है, उससे चौकस रहना चाहिए और शांति वार्ता के वक्त, ऐन उसकी दहलीज पर, पाकिस्तान के प्रधान मंत्री की यह डींग और घोषणा दोनों देशों के संबंधों को सुधारने की दिशा में कदम नहीं है, बल्कि बिगाड़ने की दिशा में है और इसलिए, उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी एक बार फिर पाकिस्तान को यह समझा दें कि उनकी दोनों देशों के दरम्यान शांति सहयोग और विवादों को बात-चीत के जरिए हल करने की जो पालिसी है, वह भारत की कमजोरी न समझी जाए। हम अमन के हामी हैं, हम युद्ध के विरोधी हैं और यह भी प्रधान मंत्री जी कह दें, पुनः दोहरा दें कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। मैडम, यह स्पष्ट कर दिया जाए कि भारत के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करने का पाकिस्तान का जो मंसूबा है, अगर वह कभी उस पर अमल करता है तो पाकिस्तान को भारी खामियाजा उठाना पड़ेगा। यह प्रधान मंत्री जी को इस बात-चीत से पहले और आज स्पष्ट कर देना चाहिए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

डा० अबरार अहमद (राजस्थान) : महोदया, शांति त्यागी जी ने जो कल पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के वक्तव्य के बारे में कहा, मैं आपके माध्यम से इस संबंध में सरकार से कहना चाहता हूं कि 15 जुलाई को हमारे सदन के नेता और गृह मंत्री जी ने, स्वयं ने इस सदन में यह स्वीकार किया है कि पाकिस्तान हिन्दुस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए विध्वंसकारी कार्रवाई कर रहा है, आतंकवादियों को ट्रेनिंग दे रहा है और जो भी